

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न पत्र-हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास

Time Allowed : Three Hours

Maximum marks : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. हिन्दी भाषा का भाषा-वैज्ञानिक परिचय दीजिए। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

अथवा

ब्रज और अवधी के अन्तर को स्पष्ट करते हुए हिन्दी साहित्य के उन्नयन में ब्रजभाषा के योगदान को रेखांकित कीजिए। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

2. राजस्थानी भाषा का परिचय देते हुए इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

अथवा

राजस्थानी बोलियों-उपबोलियों का वर्गीकरण करते हुए 'डिंगल' का परिचय दीजिये। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

3. आदिकाल की विविध काव्य-धाराओं पर प्रकाश डालिये। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

अथवा

"भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग है।" कथन की समीक्षा कीजिये। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

4. "रीतिकाल की काव्य-प्रवृत्तियों पर युग-परिस्थितियों का व्यापक प्रभाव परिलक्षित होता है।" स्पष्ट कीजिये। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

अथवा

हिन्दी साहित्य में रीतिकालीन साहित्य के महत्त्व को रेखांकित कीजिए।
(शब्द सीमा : 500 शब्द)

5. निम्नांकित पर टिप्पणियाँ लिखिये :
- (1) नवजागरण और भारतेन्दु युगीन कविता
 - (2) प्रयोगवादी काव्य में शिल्प-चमत्कार
 - (3) नये विषयों की खोज और नई कविता
 - (4) आधुनिक काल के हिन्दी महाकाव्य